हिन्दी

पूर्व शोध–पंजीयन हेतु दो पत्रों की परीक्षा होगी। प्रत्येक पत्र 100 अंकों का होगा। प्रत्येक के उत्तर की अवधि तीन घंटे होगी। सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी और देवनागरी लिपि में दिये जायेंगें। प्रत्येक पत्र में 35 अंक लाना अनिवार्य है और दोनों पत्रों को मिलाकर 100 अंक होना आवश्यक है।

प्रथम पत्र

प्रथम पत्र में कुल 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, जो द्वितीय पत्र पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा।

$2 \times 50 = 100$

StudyRaw.com

Scanned by CamScanner

द्वितीय पत्र

निर्देश :– इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पाँच खण्ड होंगे। सभी खण्डों के अंक समान होंगे। प्रत्येक खण्ड से उत्तर अपेक्षित है।

20 x 5 = 100

खण्ड – क

हिन्दी साहित्य का इतिहास

नामकरण एवं काल–विभाजन, विशेषताएँ, प्रवृत्तियाँ एवं दार्शनिक स्वरूप।

खण्ड – ख

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा का इतिहास

भाषा विज्ञान – भाषा की परिभाषा, भाषोत्पत्ति, क्षेत्र, ज्ञान की अन्य शाखाओं से भाषा विज्ञान का सम्बन्ध।

ध्वनि विज्ञान – ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ।

वाक्य विज्ञान – वाक्य के अवयव, वाक्य के प्रकार।

अर्थ विज्ञान – अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

हिन्दी भाषा – हिन्दी का विकास, पूर्वी और पश्चिमी हिन्दी में अन्तर बिहार की बोलिया का क्षेत्र, विकास और भाषिक विशेषताएँ देवनागरी लिपि का विकास एवं विशेषताएँ।

StudyRaw.Com

Scanned by CamScanner

खण्ड – ग

भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

काव्य–लक्षण, काव्य हेतु , काव्य–प्रयोजन, काव्य–गुण, काव्य–दोष।

रस – रस–निष्पत्ति, साधारणीकरण।

अलंकार – लक्षण एवं स्वरूप, काव्य में अलंकारों का महत्व, अलंकारों का वर्गीकरण।

वक्रोक्ति – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद।

ध्वनि – ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि के प्रमुख भेद।

पाश्चात्य काव्य शास्त्र – अरस्तू, इलियट, रिचर्ड्स।

खण्ड – घ

विशेष पत्रों पर आधारित प्रश्न

1. **निर्गुण एवं सगुण भक्ति काव्य** –कबीरदास, जाससी, तुलसीदास की रचनाओं का वस्तु एवं शिल्पगत अध्ययन, कबीर की सामाजिक विचारधारा, जायसी का विरह–वर्णन, सूर का वात्सल्य एवं श्रृंगार वर्णन, तुलसी की समन्वय भावना।

छायावाद – छायावाद की परिभाषा एवं विशेषताएँ, पंत, प्रसाद, निराला एवं महादेवी की रचनाओं का सामान्य परिचय।

उपन्यास – हिन्दी उपन्यास का स्वरूप एवं विकास, हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तुगत एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य, प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद एवं प्रेंमचन्दोत्तर उपन्यासों की विशेषताएँ।

StudyRaw.Com

Scanned by CamScanner

4. **लोक साहित्य** – लोक साहित्य की अवधारणा, लोक साहित्य की विशेषताएँ, लोकगीत, लोकनाट्य, लोक–कथा, लोक–गाथा, लोकनृत्य, लोक–संगीत।

5. **हिन्दी पत्रकारिता** – पत्रकारिता का स्वरूप एवं प्रकार, भारत में पत्रकारिता का आरंभ एवं वर्त्तमान स्वरूप, हिन्दी पत्रकारिता और कानून।

6. **नाटक एवं रंगमंच** – नाट्योत्पत्ति सम्बन्धी विभिन्न मत, नाटक और रंगमंच का स्वरूप, भारतीय रूपक–उपरूपकों के भेद, हिन्दी नाटक और रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास, रंगमंच के प्रकार, नाटक की विशेषताएँ।

7. **आधुनिक साहित्य – प्रवृत्तियाँ एवं उपलब्धियाँ** – आधुनिक काव्य की प्रवृत्तियाँ– छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, नवलेखन, नई कहानी, समांतर कहानी, लघुकथा, लघु उपन्यास।

खण्ड – ङ (व्याख्या)

व्याख्या हेतु निम्नालिखित का अध्ययन उपेक्षित है।

1. रामचरितमानस – तुलसीदास, केवल अयोध्याकाण्ड ।
2. कामायनी – जयशंकर प्रसाद, (केवल श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)
3. साकेत – मैथिलीशरण गुप्त–केवल नवम सर्ग ।
4. गोदान – प्रेमचंद, ।
5. कफन – प्रेमचंद,
6. उसने कहा था – चन्द्रधरशर्मा गुलेरी,
7. मांस का दरिया – कमलेश्वर।

StudyRaw.Com

Scanned by CamScanner